AUDIO VIDEO Play

भजन

आनंद अंग श्री श्यामाजी को निरखुं वारंवार।
नूरी मुखड़ा नूरी शोभा नूरी सब सिनगार ।
अंग अंग से नूरी किरणें, उठ्ती वारंवार – नूरी शोभा

1 कंचन रंग के सिहांसन पर बैठे धाम धनी ।
संग विराजित है बड़ी रूह श्री ठ्कुरानी जी।
और सभी सखियां अंग इनके जो है बारे हजार......

2 गौर वर्ण पर सोहे साड़ी सेंदुरिया राजे ।
नूर भरी नीली लाही को चरनिया साजे
कंचुकी श्यामल रंग की देखो करती झलझलकार....

3 शीश कमल पर राखड़ी की शोभा है प्यारी प्यारी
मुखड़ा नूरी और मस्तक के टीके पर बलिहारी
हाथों में है नवघड़ी और कंगन की खनकार......

4 चरणों में झांझरी घूंघरी कांभी कड़ला है
अनवट बिछुए की भी देखो अद्भूत शोभा है
नाजूक नाजूक चरणों की है नाजूक नाजूक चाल......